



सरकारी गजट, उत्तरांचल

उत्तरांचल सरकार द्वारा प्रकाशित

रुड़की

खण्ड-7] रुड़की, शनिवार, दिनांक 18 मार्च, 2006 ई0 (फाल्गुन 27, 1927 शक सम्वत्) .[संख्या-11

विषय-सूची

प्रत्येक भाग के पृष्ठ अलग-अलग दिये गए हैं, जिससे उनके अलग-अलग खण्ड बन सकें

विषय	पृष्ठ संख्या	वार्षिक चन्दा रु0
सम्पूर्ण गजट का मूल्य	-	3075
भाग 1-विज्ञप्ति-अवकाश, नियुक्ति, स्थान-नियुक्ति, स्थानान्तरण, अधिकार और दूसरे वैयक्तिक नोटिस	129-139	1500
भाग 1-क-नियम, कार्य-विधियां, आज्ञाएं, विज्ञप्तियां इत्यादि जिनको उत्तरांचल के राज्यपाल महोदय, विभिन्न विभागों के अध्यक्ष तथा राजस्व परिषद् ने जारी किया	39	1500
भाग 2-आज्ञाएं, विज्ञप्तियां, नियम और नियम विधान, जिनको केन्द्रीय सरकार और अन्य राज्यों की सरकारों ने जारी किया, हाई कोर्ट की विज्ञप्तियां, भारत सरकार के गजट और दूसरे राज्यों के गजटों के उद्धरण	-	975
भाग 3-स्वायत्त शासन विभाग का क्रोड-पत्र, नगर प्रशासन, नोटीफाइड एरिया, टाउन एरिया एवं निर्वाचन (स्थानीय निकाय) तथा पंचायतीराज आदि के निदेश जिन्हें विभिन्न आयुक्तों अथवा जिलाधिकारियों ने जारी किया	-	975
भाग 4-निदेशक, शिक्षा विभाग, उत्तरांचल	-	975
भाग 5-एकाउन्टेन्ट जनरल, उत्तरांचल	-	975
भाग 6-बिल, जो भारतीय संसद में प्रस्तुत किए गए या प्रस्तुत किए जाने से पहले प्रकाशित किए गए तथा सिलेक्ट कमेटियों की रिपोर्ट	-	975
भाग 7-इलेक्शन कमीशन ऑफ इण्डिया की अनुविहित तथा अन्य निर्वाचन सम्बन्धी विज्ञप्तियां	-	975
भाग 8-सूचना एवं अन्य वैयक्तिक विज्ञापन आदि	-	975
स्टोर्स पर्वज-स्टोर्स पर्वज विभाग का क्रोड-पत्र आदि	-	1425

भाग 1

विज्ञापित-अवकाश, नियुक्ति, स्थान-नियुक्ति, स्थानान्तरण, अधिकार और दूसरे वैयक्तिक नोटिस

ऊर्जा विभाग

अधिसूचना

09 मार्च, 2006 ई०

संख्या 403/I/2006/03(8)/07/05-श्री राज्यपाल, उत्तर प्रदेश पंचायत राज अधिनियम, 1947 (1947 का 26) (उत्तरांचल राज्य में यथा प्रवृत्त तथा समय-समय पर यथा संशोधित) की धारा 11-च के अधीन घोषित पंचायत क्षेत्र को विद्युत अधिनियम, 2003 (2003 का 36) की धारा 14 के प्रयोजनार्थ ग्रामीण क्षेत्र अधिसूचित करने की सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते हैं।

उत्तरांचल के श्री राज्यपाल के नाम व आज्ञा से,

एम० रामचन्द्रन,
मुख्य सचिव।

In pursuance of the provisions of Clause (3) of Article 348 of the Constitution of India, the Governor is pleased to order the publication of the following English translation of notification no. 403/I/2006-03(8)/07/05, dated March 09, 2006 for general information :

NOTIFICATION

March 09, 2006

No. 403/I/2006-03(8)/07/05-Declared Panchayat area under section 11-F of the Uttar Pradesh Panchayat Raj Act, 1947 (U.P. Act no. 26 of 1947) (as applicable in the State of Uttaranchal and as amended time to time), the Governor is pleased to accord sanction to notify the Rural area for the purpose of section 14 of the Electricity Act, 2003 (No. 36 of 2003).

By Order and in the name of
Government of Uttaranchal,

M. RAMCHANDRAN,
Chief Secretary.

कार्मिक अनुभाग-1

प्रोन्नति

विज्ञापित

28 दिसम्बर, 2005 ई०

संख्या 5857/तीस-1-2005-18(15)स/2002-उत्तरांचल प्रदेश राज्य पुनर्गठन अधिनियम, 2000 के अन्तर्गत पी०सी०एस० अधिकारियों का अन्तिम आवंटन मा० न्यायालयों में लम्बित याचिकाओं के कारण प्रभावी न हो पाने के कारण उप जिलाधिकारियों के पदों पर कार्मिक विभाग के पत्र संख्या 2993/तीस-1-2004-18(15)/2002, दिनांक 09-08-2004 के द्वारा अग्रलिखित अधिकारियों 1. श्री गिरीश सिंह गुणवन्त (बागेश्वर), 2. श्री अनुप कुमार नौटियाल (पिथौरागढ़), 3. श्री प्रकाश चन्द्र दुमका (टिहरी), 4. श्री मनोज कुमार (अल्मोड़ा) एवं अ०शा०प०सं० 3112/तीस-1-2004-18(15)/2002, दिनांक 20 अगस्त, 2004 के द्वारा 1. श्री बृज मोहन (रुद्रप्रयाग), तथा 2. श्री हर्षमणी चमोली (हर्षमणी चमोली) को स्थानापन्न रूप से उप जिलाधिकारी के पद पर तैनात किया गया था।

2-राज्य में उप जिलाधिकारियों की कमी होने के कारण उक्त स्थानापन्न रूप से प्रोन्नत उप जिलाधिकारियों की तैनाती/स्थानापन्न पदोन्नति की एक वर्ष की अवधि पूर्ण होने की तिथि से आगामी एक वर्ष तक बढ़ाने की श्री राज्यपाल महोदय सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते हैं।

3-उक्त पदोन्नति पूर्णतः अस्थाई हैं और काम चलाऊ व्यवस्था के अन्तर्गत की गयी हैं जो बिना किसी पूर्व सूचना के कभी भी वापस ली जा सकती हैं। उपरोक्त अधिकारी प्रत्यावर्तन पर किसी भी क्षतिपूर्ति के अधिकारी नहीं होंगे।

आज्ञा से,

नृप सिंह नपलच्याल,
प्रमुख सचिव।

ऊर्जा विभाग

आदेश

नियुक्ति

20 फरवरी, 2006 ई०

संख्या 232/I/2006/02(3)/20/03-श्री राज्यपाल, विद्युत अधिनियम, 2003 की धारा 82 की उपधारा (5) द्वारा प्रदत्त शक्ति का प्रयोग करके चयन समिति की संस्तुति पर श्री वी०के० खन्ना, पूर्व अधिशासी निदेशक (तकनीकी), ग्रामीण विद्युतीकरण निगम, नई दिल्ली को उनके पदमार ग्रहण करने की तारीख से उत्तरांचल विद्युत नियामक आयोग में सदस्य के पद पर सहर्ष नियुक्त करते हैं।

आदेश

नियुक्ति

20 फरवरी, 2006 ई०

संख्या 233/I/2006/02(3)/20/03-श्री राज्यपाल, विद्युत अधिनियम, 2003 की धारा 82 की उपधारा (5) द्वारा प्रदत्त शक्ति का प्रयोग करके चयन समिति की संस्तुति पर श्री वी०जे० तलवार, अधिशासी निदेशक, दिल्ली विद्युत नियामक आयोग, नई दिल्ली को उनके पदमार ग्रहण करने की तारीख से उत्तरांचल विद्युत नियामक आयोग में सदस्य के पद पर सहर्ष नियुक्त करते हैं।

आज्ञा से,

एन० रवि शंकर,
प्रमुख सचिव।

पशुपालन अनुभाग-2

कार्यालय-ज्ञाप

07 फरवरी, 2006 ई०

संख्या 38/XV-2/1(8)/2006-मत्स्य विभाग, उत्तरांचल में रिक्त श्रेणी 'ख' सहायक निदेशक, मत्स्य, वेतनमान रु० 8,000-13,500 के पद पर पदोन्नति हेतु दिनांक 07 जनवरी, 2006 को सम्पन्न चयन समिति की बैठक के क्रम में उत्तरांचल लोक सेवा आयोग, हरिद्वार से प्राप्त संस्तुति के आधार पर श्री राज्यपाल महोदय निम्न ज्येष्ठ मत्स्य निरीक्षकों को वेतनमान रु० 5,000-8,000 से सहायक निदेशक, मत्स्य, वेतनमान रु० 8,000-13,500 के पद पर तात्कालिक प्रभाव से पदोन्नति किये जाने के साथ-साथ निम्न प्रकार तैनात किये जाने की सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते हैं:-

क्र० सं०	कार्मिक का नाम	ज्येष्ठ मत्स्य निरीक्षक के पद पर पद स्थापना का जनपद	सहायक निदेशक, मत्स्य के पद पर प्रस्तावित पद स्थापना
1.	डा० जे०सी० उपाध्याय	देहरादून	सहायक निदेशक, मत्स्य, देहरादून
2.	श्री एल०एम० जोशी	देहरादून	सहायक निदेशक, मत्स्य, अल्मोड़ा
3.	श्री भागीरथ भारती	चमोली	सहायक निदेशक, मत्स्य, चमोली

डा० जे०सी० उपाध्याय, सहायक निदेशक, मत्स्य, देहरादून के कार्य के साथ-साथ मत्स्य निदेशालय का कार्य भी देखेंगे।

श्री एल०एम० जोशी, सहायक निदेशक, मत्स्य, अल्मोड़ा के साथ-साथ जनपद बागेश्वर, पिथौरागढ़, चम्पावत का कार्य भी देखेंगे।

श्री भागीरथ भारती, सहायक निदेशक, मत्स्य, चमोली के साथ-साथ जनपद रुद्रप्रयाग, पौड़ी का कार्य भी देखेंगे।

उक्त कार्य हेतु कोई अतिरिक्त पारिश्रमिक देय नहीं होगा।

आज्ञा से,
ओम प्रकाश,
सचिव।

लघु सिंचाई विभाग

कार्यालय-ज्ञाप

04 जनवरी, 2006 ई०

संख्या 12/II-2006-01(67)/2004-लघु सिंचाई विभाग के निम्नलिखित सहायक अभियन्ता को कार्यभार ग्रहण करने की तिथि से नियमित चयनोपरान्त अधिशासी अभियन्ता के पद पर वेतनमान रु० 10,000-325-15,200 में पदोन्नत किये जाने की श्री राज्यपाल महोदय सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते हैं :-

क्र०सं०	अभियन्ता का नाम
	अनारक्षित श्रेणी
1.	श्री रहमत अली खॉं
2.	श्री बृजेश कुमार गुप्ता
	आरक्षित श्रेणी (अनुसूचित जाति)
1.	श्री हरीश राम आर्य

उक्त पदोन्नतियाँ उत्तरांचल राज्य संवर्ग में उपलब्ध रिक्तियों के सापेक्ष अन्तिम रूप से उत्तरांचल राज्य संवर्ग आवंटित अधिकारियों से चयन के आधार पर की गयी हैं। उक्त पदोन्नति मा० उच्च न्यायालय, नैनीताल में दायर रिट याचिका सं० 157 (एम०बी०)/2005, श्री चेतन दास अरोड़ा बनाम उत्तरांचल शासन व अन्य में पारित अन्तिम आदेशों के प्रतिबन्धाधीन रहेगी।

नव प्रोन्नत अभियन्ताओं की पदस्थापना के आदेश पृथक से निर्गत किये जायेंगे।

आज्ञा से,
पी० के० महान्ति,
सचिव।

सं० 66/XVII(1)-1/06-19(02)/2005

प्रेषक,

राधा रतूड़ी,
सचिव,
उत्तरांचल शासन।

सेवा में,

निदेशक,
समाज कल्याण विभाग,
उत्तरांचल, हल्द्वानी (नैनीताल)।

समाज कल्याण अनुभाग-1

देहरादून : दिनांक 20 फरवरी, 2006 ई०

विषय :- दिनेशपुर क्षेत्र तथा शक्तिफार्म, जनपद ऊधमसिंह नगर में निवास करने वाले बंगाली मूल के अनुसूचित जातियों हेतु सहायता कोष नियमावली, 2006 के सम्बन्ध में।

महोदय,

उपर्युक्त विषयक आपके पत्र संख्या 2364/स०क०/स०केसि०काफ/2005-06, दिनांक 14 सितम्बर, 2005 की ओर आपका ध्यान आकृष्ट करते हुए मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि साम्यक् विचारोपरान्त संलग्न परिशिष्ट के अनुसार श्री राज्यपाल, उत्तरांचल के दिनेशपुर क्षेत्र तथा शक्तिफार्म, जनपद ऊधमसिंह नगर में निवास करने वाले बंगाली मूल के अनुसूचित जातियों हेतु सहायता कोष नियमावली, 2006 को लागू किये जाने की सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते हैं।

2-कृपया तदनुसार अग्रेतर कार्यवाही किया जाना सुनिश्चित करने का कष्ट करें तथा कृत कार्यवाही से यथा समय शासन को अवगत कराने का कष्ट करें।

शासनादेश संख्या 66/XVII(1)-1/06-19(02)/2005, दिनांक 20 फरवरी, 2006 का परिशिष्ट "क"

दिनेशपुर क्षेत्र तथा शक्तिफार्म, (ऊधमसिंह नगर) में निवास करने वाले बंगाली मूल के अनुसूचित जातियों हेतु सहायता कोष नियमावली, 2006

1. संक्षिप्त शीर्षक : इस नियमावली का संक्षिप्त शीर्षक "दिनेशपुर क्षेत्र तथा शक्तिफार्म, जनपद ऊधमसिंह नगर में निवास करने वाले बंगाली मूल के अनुसूचित जातियों हेतु सहायता कोष नियमावली, 2006" होगा।
2. समिति का उद्देश्य : दिनेशपुर क्षेत्र तथा शक्तिफार्म, जनपद ऊधमसिंह नगर में निवास करने वाले बंगाली मूल के अनुसूचित जातियों के आर्थिक रूप से कमजोर छात्र, छात्राओं हेतु शैक्षिक उन्नयन के लिए कार्य करना एवं इस हेतु आर्थिक सहायता की व्यवस्था करना समिति का मुख्य उद्देश्य होगा।
3. संचालन समिति :

अध्यक्ष	-	जिलाधिकारी, ऊधमसिंह नगर।
उपाध्यक्ष	-	शासन द्वारा बंगाली मूल के अनुसूचित जाति से नामित व्यक्ति।
सदस्य	-	अध्यक्ष, जिला पंचायत, ऊधमसिंह नगर।
सदस्य	-	शासन द्वारा बंगाली मूल के अनुसूचित जाति से नामित 02 व्यक्ति।
सदस्य	-	कोषाधिकारी, ऊधमसिंह नगर (कोषाधिकारी)।
सदस्य	-	मुख्य विकास अधिकारी, ऊधमसिंह नगर (पदेन)।
सदस्य	-	मुख्य विकास अधिकारी, नैनीताल (पदेन)।
सदस्य सचिव	-	जिला समाज कल्याण अधिकारी, ऊधमसिंह नगर (पदेन)।

4. सदस्यों का कार्यकाल : समिति के नामित सदस्यों का कार्यकाल, कार्यभार ग्रहण करने की तिथि से 03 वर्ष के लिए होगा तथा समिति को भंग करने के समस्त अधिकार शासन में निहित होंगे।
5. समिति की बैठक : समिति की त्रैमासिक बैठक होगी, जिसकी सूचना 15 दिन पूर्व दी जायेगी तथा विशेष परिस्थितियों में अध्यक्ष की अनुमति से 03 दिन पूर्व सूचना देकर आकस्मिक बैठक आहूत की जा सकेगी। समिति, दिनेशपुर क्षेत्र तथा शक्तिफार्म (ऊधमसिंह नगर) में निवास करने वाले बंगाली मूल के अनुसूचित जातियों के आर्थिक रूप से कमजोर छात्र, छात्राओं के शैक्षिक उन्नयन हेतु कार्य करने एवं आर्थिक सहायता स्वीकृत हेतु निर्णय लेगी।
6. गणपूर्ति : समिति की बैठक के लिए सदस्यों की न्यूनतम गणपूर्ति दो तिहाई होगी।
7. प्रधान कार्यालय : निधि के संचालन हेतु एक समिति होगी, जिसका प्रधान कार्यालय जिला समाज कल्याण अधिकारी, कार्यालय, विकास भवन, ऊधमसिंह नगर होगा।
8. समिति का कोष : शासन द्वारा अनुदानित रुपये 100.00 लाख (रुपये एक करोड़ मात्र) की धनराशि राष्ट्रीकृत बैंक खाते में जमा की जायेगी, जिसे समिति का कोष कहा जायेगा तथा अर्जित ब्याज से नियमावली के उद्देश्य एवं व्यय की प्रतिपूर्ति किया जायेगा। समिति अध्यक्ष की अनुमति से दान एवं चन्दा भी प्राप्त कर सकेगी। इस रूप में प्राप्त धनराशि सीधे कोष में जमा की जायेगी। कोष की मूल धनराशि व्यय नहीं की जा सकेगी।
9. कोष का संचालन : कोष में ब्याज के रूप में जमा धनराशि का आहरण समिति अध्यक्ष की अनुमति से उपरान्त समिति सचिव एवं कोषाध्यक्ष के संयुक्त हस्ताक्षरों से होगा।
10. अभिलेख : समिति द्वारा वे सभी अभिलेख तैयार किये जायेंगे जो उक्त कोष के संचालन एवं रख-रखाव के लिए आवश्यक होते हैं। अध्यक्ष द्वारा अभिलेखों के रख-रखाव हेतु समय-समय पर निर्देश जारी किये जा सकेंगे। समिति के समस्त अभिलेखों के रख-रखाव के लिए समिति सचिव पूर्ण रूप से उत्तरदायी होंगे।
11. ऑडिट : प्रत्येक वित्तीय वर्ष के अन्त में निधि के आय-व्यय की लेखा परीक्षा चार्टर्ड एकाउन्टेंट (सी0ए0) से कराया जायेगा एवं रिपोर्ट की प्रति शासन को भी उपलब्ध करायी जायेगी।
12. निरीक्षण : सचिव, समाज कल्याण, उत्तरांचल शासन द्वारा नियमित रूप से समिति के कार्यों की समीक्षा की जायेगी तथा शासन द्वारा नामित अधिकारी इस कोष का समय-समय पर निरीक्षण करने के लिए अधिकृत होंगे।
13. विधिक/न्यायिक मामले : समिति का न्याय क्षेत्र जनपद ऊधमसिंह नगर होगा। किसी भी वाद की पैरवी करने का अधिकार समिति के सदस्य सचिव को होगा।
14. समिति का दायित्व : कोष के गठन के उपरान्त समिति का दायित्व होगा कि चयनित व्यक्तियों को लाभान्वित करने से पूर्व दिनेशपुर तथा शक्तिफार्म (ऊधमसिंह नगर) में निवासरत बंगाली मूल के अनुसूचित जातियों के आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों के छात्र/छात्राओं को चिन्हित करते हुए उनकी सूची तैयार कर शासन से अनुमोदन प्राप्त करने का दायित्व समिति का होगा।
15. समिति का कार्य क्षेत्र : समिति का कार्यक्षेत्र दिनेशपुर तथा शक्तिफार्म (ऊधमसिंह नगर) होगा।

भवदीय,

राधा रतूड़ी,
सचिव।

विधान सभा सचिवालय, उत्तरांचल

(अधिष्ठान अनुभाग)

विज्ञप्ति/नियुक्ति

22 फरवरी, 2006 ई०

संख्या 157/वि०स०/12/अधि०/2001-इस सचिवालय की विज्ञप्ति/नियुक्ति संख्या 264(1)/वि०स०/12/अधि०/2001, दिनांक 24 दिसम्बर, 2001 द्वारा प्रतिनियुक्ति पर कार्यरत श्री मदन राम, का अनुभाग अधिकारी के पद पर वेतनमान रु० 6,500-200-10,500 में मा० अध्यक्ष, विधान सभा, उत्तरांचल के आदेशानुसार दिनांक 01 जनवरी, 2006 से संविलियन किया जाता है।

आज्ञा से,

ह०/-

(महेश चन्द्र)

सचिव।

सिंचाई विभाग

विज्ञप्ति/आदेश

15 फरवरी, 2006 ई०

संख्या 891/II-2005-01-सि०(84)/2002-श्री एस०एम० सक्सेना, मुख्य अभियन्ता एवं विभागाध्यक्ष के दिनांक 31-12-05 को सेवानिवृत्ति के फलस्वरूप मुख्य अभियन्ता एवं विभागाध्यक्ष के रिक्त पद पर अग्रिम व्यवस्था होने तक श्री सागर चन्द्र, मुख्य अभियन्ता, गंगाघाटी, देहरादून को अपने वर्तमान कार्यभार के अतिरिक्त कार्यवाहक मुख्य अभियन्ता एवं विभागाध्यक्ष के रूप में दोहरा कार्य करने की श्री राज्यपाल महोदय सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते हैं। इस हेतु श्री सागर चन्द्र को कोई अतिरिक्त वेतन/भत्ते अनुमन्य नहीं होंगे।

आज्ञा से,

अरविन्द सिंह ह्यांकी,

अपर सचिव।

सं० 1609/VIII/59-प्रशि०/2005

प्रेषक,

सोहन लाल,

अपर सचिव,

उत्तरांचल शासन।

सेवा में,

निदेशक,

प्रशिक्षण एवं सेवायोजन,

उत्तरांचल, हल्द्वानी।

श्रम एवं सेवायोजन विभाग

देहरादून : दिनांक 16 फरवरी, 2006 ई०

विषय :- वित्तीय वर्ष 2005-06 में भगवानपुर, जनपद हरिद्वार में राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान की स्थापना करने हेतु।

महोदय,

उपरोक्त विषय के सन्दर्भ में मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि जनपद हरिद्वार के भगवानपुर में राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान की स्थापना करते हुए, इसके लिए प्रस्तावित तीन व्यवसाय फिटर, डाटा एन्ट्री ऑपरेटर,

विद्युतकार हेतु न्यूनतम आवश्यकता के आधार पर मानक के अनुसार कुल 14 अस्थाई पद निम्नलिखित विवरणानुसार शासनादेश निर्गत होने की तिथि अथवा पद को भरे जाने की तिथि, जो भी बाद में हो, से दिनांक 28.02.2006 तक के लिए बशर्त की ये पद इसके पूर्व बिना किसी पूर्व सूचना के समाप्त न कर दिये जायें, को सृजित किये जाने की श्री राज्यपाल महोदय सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते हैं:-

राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान, भगवानपुर, जिला हरिद्वार हेतु पदों का विवरण

क्र0सं0	पदों का नाम	स्वीकृत किए जाने वाले पदों की संख्या	वेतनमान
1.	कार्यदेशक श्रेणी-तीन	01	6,500-10,500
2.	व्यवसाय अनुदेशक	03	5,000-8,000
3.	अनुदेशक सामाजिक अध्ययन	01	5,000-8,000
4.	अनुदेशक कला/गणित	01	5,000-8,000
5.	सहायक भण्डारी	01	4,000-6,000
6.	वरिष्ठ सहायक	01	4,000-6,000
7.	भण्डार/कार्यशाला परिचर	02	2,610-3,540
8.	चपरासी	01	2,550-3,200
9.	चौकीदार	02	2,550-3,200
10.	स्वच्छकार	01	2,550-3,200
योग :		14	

2-उक्त पद के धारकों को उक्त पद के वेतन के साथ-साथ शासन द्वारा समय-समय पर प्रख्यापित आदेशों के अनुसार अनुमन्य मंहगाई एवं अन्य भत्ते आदि भी देय होंगे।

क्र0सं0	व्यवसाय का नाम	यूनिट	प्रशिक्षण स्थान
1.	फिटर	01	16
2.	डाटा एन्ट्री ऑपरेटर	01	20
3.	विद्युतकार	01	16

3-उक्त संस्थान के अनावर्तक व्ययों एवं अधिष्ठान के खर्च हेतु निम्नलिखित विवरणानुसार रुपये 14,00,000.00 (रुपये चौदह लाख मात्र) की धनराशि को व्यय किये जाने की श्री राज्यपाल सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते हैं :-

बजट व्यवस्था :-		धनराशि हजार रुपयों में
क्र0 सं0	भद का नाम	आवश्यक धनराशि
1.	01-वेतन	01
2.	03-मंहगाई भत्ता	01
3.	04-यात्रा भत्ता	01
4.	06-अन्य भत्ते	01
5.	08-कार्यालय व्यय	50
6.	09-विद्युत देय	50
7.	10-जलकर/जल प्रभार	01
8.	11-लेखन सामग्री	12

क्र० सं०	मद का नाम	आवश्यक धनराशि
9.	12-कार्यालय फर्नीचर/उपकरण	01
10.	13-किराया उपशुल्क	01
11.	21-छात्रवृत्ति/छात्र वेतन	10
12.	26-मशीने साज-सज्जा/उपकरण	1200
13.	42-अन्य व्यय	70
14.	48-महंगाई वेतन	01
योग :		1400

4-उक्त धनराशि इस प्रतिबन्ध के साथ एवं शर्तों के अधीन आपके निवर्तन पर स्वीकृत की जा रही है कि उक्त मद में आवंटित सीमा तक ही व्यय सीमित रखा जाये। यहाँ यह भी स्पष्ट किया जाता है कि धनराशि का आवंटन किसी ऐसे व्यय को करने का अधिकार नहीं देता है, जिसे व्यय करने से बजट मैनुअल या वित्तीय हस्त-पुस्तिका के नियमों या अन्य आदेशों का उल्लंघन होता हो। जहाँ व्यय करने से पूर्व सक्षम अधिकारी की स्वीकृति आवश्यक हो, वहाँ ऐसा व्यय सक्षम अधिकारी की स्वीकृति प्राप्त करके ही किया जायेगा। व्यय में मितव्ययता नितान्त आवश्यक है, मितव्ययता के सम्बन्ध में समय-समय पर जारी शासनादेशों/अन्य आदेशों का अनुपालन कड़ाई से सुनिश्चित किया जाये। व्यय उन्हीं मदों में किया जायेगा जिसके लिये यह स्वीकृत किया जा रहा है।

5-व्यय करते समय स्टोर परचेज रूल्स, डीजीएस एण्ड डी की दरों एवं शर्तों, टेन्डर/कोटेशन आदि के विषयक नियमों का अनुपालन सुनिश्चित किया जायेगा। उपकरणों आदि का क्रय प्रत्येक ट्रेड के एन0सी0वी0टी0 के मानक के अनुसार ही क्रय किया जायेगा।

6-स्वीकृत की जा रही धनराशि का दिनांक 31.03.2006 तक पूर्ण उपयोग कर लिया जायेगा।

7-उक्त व्यय चालू वित्तीय वर्ष 2005-06 हेतु अनुदान संख्या 16-मुख्य लेखाशीर्षक-2230-श्रम तथा रोजगार, 03-प्रशिक्षण, आयोजनागत, 003-दस्तकारों तथा पर्यवेक्षकों का प्रशिक्षण, 03-दस्तकार प्रशिक्षण योजना एवं अधिष्ठान आयोजनागत-00 के अन्तर्गत सुसंगत मानक मदों के नामे डाला जायेगा।

8-यह आदेश वित्त विभाग के अशासकीय संख्या यूओ 70/वि0अनु0-5, दिनांक 14.02.06 के अन्तर्गत प्राप्त उनकी सहमति से जारी किए जा रहे हैं।

सं० 1620/VIII/709-प्रशि०/2005

प्रेषक,

सोहन लाल,
अपर सचिव,
उत्तरांचल शासन।

सेवा में,

निदेशक,
प्रशिक्षण एवं सेवायोजन,
उत्तरांचल, हल्द्वानी।

श्रम एवं सेवायोजन विभाग

देहरादून : दिनांक 16 फरवरी, 2006 ई०

विषय :- वित्तीय वर्ष 2005-06 में रिखणीखाल, जनपद पौड़ी गढ़वाल में राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान की स्थापना करने हेतु।

महोदय,

उपरोक्त विषय के सन्दर्भ में मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि जनपद पौड़ी गढ़वाल के रिखणीखाल में राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान की स्थापना करते हुए, इसके लिए प्रस्तावित तीन व्यवसाय इलेक्ट्रॉनिक्स, कटिंग

एण्ड टेलरिंग, विद्युतकार हेतु न्यूनतम आवश्यकता के आधार पर मानक के अनुसार कुल 14 अस्थाई पद निम्नलिखित विवरणानुसार शासनादेश निर्गत होने की तिथि अथवा पद को भरे जाने की तिथि, जो भी बाद में हो, से दिनांक 28.02.2006 तक के लिए बशर्ते की ये पद इसके पूर्व बिना किसी पूर्व सूचना के समाप्त न कर दिये जायें, को सृजित किये जाने की श्री राज्यपाल महोदय सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते हैं:-

राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान, रिखणीखाल, जिला पौड़ी गढ़वाल हेतु पदों का विवरण

क्र0सं0	पदों का नाम	स्वीकृत किए जाने वाले पदों की संख्या	वेतनमान
1.	कार्यदेशक श्रेणी-तीन	01	6,500-10,500
2.	व्यवसाय अनुदेशक	03	5,000-8,000
3.	अनुदेशक सामाजिक अध्ययन	01	5,000-8,000
4.	अनुदेशक कला/गणित	01	5,000-8,000
5.	सहायक भण्डारी	01	4,000-6,000
6.	वरिष्ठ सहायक	01	4,000-6,000
7.	भण्डार/कार्यशाला परिचर	02	2,610-3,540
8.	चपरासी	01	2,550-3,200
9.	चौकीदार	02	2,550-3,200
10.	स्वच्छकार	01	2,550-3,200
योग :		14	

2-उक्त पद के धारकों को उक्त पद के वेतन के साथ-साथ शासन द्वारा समय-समय पर प्रख्यापित आदेशों के अनुसार अनुमन्य मंहगाई एवं अन्य भत्ते आदि भी देय होंगे।

क्र0सं0	व्यवसाय का नाम	यूनिट	प्रशिक्षण स्थान
1.	इलेक्ट्रॉनिक्स	01	16
2.	कटिंग एण्ड टेलरिंग	01	16
3.	विद्युतकार	01	16

3-उक्त संस्थान के अनावर्तक व्ययों एवं अधिष्ठान के खर्च हेतु निम्नलिखित विवरणानुसार रुपये 14,00,000.00 (रुपये चौदह लाख मात्र) की धनराशि को व्यय किये जाने की श्री राज्यपाल सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते हैं :-
बजट व्यवस्था :-

क्र0 सं0	मद का नाम	आवश्यक धनराशि
1.	01-वेतन	01
2.	03-मंहगाई भत्ता	01
3.	04-यात्रा भत्ता	01
4.	06-अन्य भत्ते	01
5.	08-कार्यालय व्यय	50
6.	09-विद्युत देय	50
7.	10-जलकर/जल प्रभार	01
8.	11-लेखन सामग्री	12

9.	12-कार्यालय फर्नीचर/उपकरण	01
10.	13-किराया उपशुल्क	01
11.	21-छात्रवृत्ति/छात्र वेतन	10
12.	26-मशीने साज-सज्जा/उपकरण	1200
13.	42-अन्य व्यय	70
14.	48-मंहगाई वेतन	01
योग :		1400

4-उक्त धनराशि इस प्रतिबन्ध के साथ एवं शर्तों के अधीन आपके निवर्तन पर स्वीकृत की जा रही है कि उक्त मद में आवंटित सीमा तक ही व्यय सीमित रखा जाये। यहाँ यह भी स्पष्ट किया जाता है कि धनराशि का आवंटन किसी ऐसे व्यय को करने का अधिकार नहीं देता है, जिसे व्यय करने से बजट मैनुअल या वित्तीय हस्त-पुस्तिका के नियमों या अन्य आदेशों का उल्लंघन होता हो। जहाँ व्यय करने से पूर्व सक्षम अधिकारी की स्वीकृति आवश्यक हो, वहाँ ऐसा व्यय सक्षम अधिकारी की स्वीकृति प्राप्त करके ही किया जायेगा। व्यय में मितव्ययता नितान्त आवश्यक है, मितव्ययता के सम्बन्ध में समय-समय पर जारी शासनादेशों/अन्य आदेशों का अनुपालन कड़ाई से सुनिश्चित किया जाये। व्यय उन्हीं मदों में किया जायेगा जिसके लिये यह स्वीकृत किया जा रहा है।

5-व्यय करते समय स्टोर परचेज रूल्स, डीजीएस एण्ड डी की दरों एवं शर्तों, टेन्डर/कोटेशन आदि के विषयक नियमों का अनुपालन सुनिश्चित किया जायेगा। उपकरणों आदि का क्रय प्रत्येक ट्रेड के एन0सी0वी0टी0 के मानक के अनुसार ही क्रय किया जायेगा।

6-स्वीकृत की जा रही धनराशि का दिनांक 31.03.2006 तक पूर्ण उपयोग कर लिया जायेगा।

7-उक्त व्यय चालू वित्तीय वर्ष 2005-06 हेतु अनुदान संख्या 16-मुख्य लेखाशीर्षक-2230-भ्रम तथा रोजगार, 03-प्रशिक्षण, आयोजनागत, 003-दस्तकारों तथा पर्यवेक्षकों का प्रशिक्षण, 03-दस्तकार प्रशिक्षण योजना एवं अधिष्ठान आयोजनागत-00 के अन्तर्गत सुसंगत मानक मदों के नामे डाला जायेगा।

8-यह आदेश वित्त विभाग के अशासकीय संख्या यूओ 69/वि0अनु0-5, दिनांक 14.02.06 के अन्तर्गत प्राप्त उनकी सहमति से जारी किए जा रहे हैं।

भवदीय,

सोहन लाल,
अपर सचिव।



सरकारी गजट, उत्तरांचल

उत्तरांचल सरकार द्वारा प्रकाशित

रुड़की, शनिवार, दिनांक 18 मार्च, 2006 ई0 (फाल्गुन 27, 1927 शक सम्वत्)

भाग 1-क

नियम, कार्य-विधियां, आज्ञाएं, विज्ञप्तियां इत्यादि जिनको उत्तरांचल के राज्यपाल महोदय, विभिन्न विभागों के अध्यक्ष तथा राजस्व परिषद् ने जारी किया

कार्यालय आयुक्त कर, उत्तरांचल

(फार्म अनुभाग)

विज्ञप्ति

25 फरवरी, 2006 ई0

पत्रांक 4309/फार्म अनु0-2004-2005/आ0घो0प0/खोया/चोरी/नष्ट हुए-उत्तर प्रदेश व्यापार कर नियमावली, 1948 (यथा उत्तरांचल में लागू) के नियम-85 के उपनियम (12) सहपठित उत्तरांचल मूल्यवर्धित कर अध्यादेश, 2005, नियम 31(8) में प्रदत्त अधिकारों का प्रयोग करके मैं, आयुक्त कर, उत्तरांचल निम्नलिखित सूची में उल्लिखित आयात घोषणा-पत्र/फार्म 'सी' जिनके खो जाने/चोरी हो जाने अथवा नष्ट हो जाने के सम्बन्ध में नियम-85 के उपनियम (9) के अन्तर्गत सूचनाएं प्राप्त हुई हैं, को तत्कालिक प्रभाव से अवैध घोषित करता हूँ:-

क्र0सं0	व्यापारी का नाम व पता	खोये/चोरी/नष्ट हुए आयात घोषणा-पत्र/ फार्म सी की संख्या	खोये/चोरी/नष्ट हुए आयात घोषणा-पत्र फार्म सी का क्रमांक
1	2	3	4
1.	सर्वश्री मनप्रित ट्रैक्टर, सितारगंज, खटीमा	01 आयात घोषणा-पत्र 01 फार्म सी	UTC-313041 UA-232600
2.	सर्वश्री एस0के0 स्टेशनर्स, स्टेशन रोड, रेलवे बाजार, हल्द्वानी	01 आयात घोषणा-पत्र 05 फार्म सी	UTC-331208 UA-254314 से 254318 तक

बी0 पी0 पाण्डे,
आयुक्त कर, उत्तरांचल, देहरादून।